पाठ्यक्रम

(Syllabus)

स्नातक (बी. ए.) इतिहास

(पाठ्यक्रम कोड- बीएएच)

सत्र : 2021-24

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

बी.ए. (स्नातक) इतिहास (बीएएच) 120 क्रेडिट

प्रथम वर्ष					
प्रथम सेमेस्टर (छमाही)			**द्वितीय सेमेस्टर (छमाही)**		
कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट
बीएएच-01	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग – 1)	4	बीएएच-03	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग – 1)	4
बीएएच-02	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग – 2)	2	बीएएच-04	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग – 2)	2
	क्रेडिट	**06**		**क्रेडिट**	**06**
द्वितीय वर्ष					
तृतीय सेमेस्टर (छमाही)			**चतुर्थ सेमेस्टर (छमाही)**		
कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट
बीएएच -05	आधुनिक भारत का इतिहास (भाग – 1)	4	बीएएच -07	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग – 1)	4
बीएएच -06	आधुनिक भारत का इतिहास (भाग – 2)	2	बीएएच -08	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग – 2)	2
	क्रेडिट	**06**		**क्रेडिट**	**06**
तृतीय वर्ष					
	पंचम समेस्टर (छमाही)			**षष्ट समेस्टर (छमाही)**	
कोर्स कोड	**विषय**		**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएएच -09	स्वतंत्रता संग्राम	**3**	बीएएच -12	भारतीय डायस्पोरा का इतिहास	**3**
बीएएच -10	भारतीय संविधान	**3**	बीएएच -13	महाराष्ट्र का इतिहास	**3**
बीएएच -11	इंग्लैंड का राजनीतिक और वैधानिक इतिहास	**3**	बीएएच -14	प्रोजेक्ट कार्य	**3**
	क्रेडिट	**18**		**क्रेडिट**	**18**

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
स्नातक (बी.ए.) इतिहास पाठ्यक्रम

वर्ष	सेमेस्टर/छमाही	प्रश्न-पत्र संख्या	प्रश्न-पत्र कोड/क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट
प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर	प्रथम प्रश्न-पत्र	बीएएच - 01	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग - 1)	04
		द्वितीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 02	प्राचीन भारत का इतिहास (भाग - 2)	02
	द्वितीय सेमेस्टर	प्रथम प्रश्न-पत्र	बीएएच - 03	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग - 1)	04
		द्वितीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 04	मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग - 2)	02
द्वितीय वर्ष	तृतीय सेमेस्टर	प्रथम प्रश्न-पत्र	बीएएच - 05	आधुनिक भारत का इतिहास (भाग - 1)	04
		द्वितीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 06	आधुनिक भारत का इतिहास (भाग - 2)	02
	चतुर्थ सेमेस्टर	प्रथम प्रश्न-पत्र	बीएएच - 07	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग - 1)	04
		द्वितीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 08	आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग - 2)	02
तृतीय वर्ष	पंचम सेमेस्टर	प्रथम प्रश्न-पत्र	बीएएच - 09	स्वतंत्रता संग्राम	03
		द्वितीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 10	भारतीय संविधान	03
		तृतीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 11	इंग्लैंड का राजनीतिक और वैधानिक इतिहास	03
	षष्ठ सेमेस्टर	प्रथम प्रश्न-पत्र	बीएएच - 12	भारतीय डायस्पोरा का इतिहास	03
		द्वितीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 13	महाराष्ट्र का इतिहास	03
		तृतीय प्रश्न-पत्र	बीएएच - 14	प्रोजेक्ट कार्य	03

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :** इतिहास
   (Name of the Department/Centre)
2. **पाठ्यक्रम का नाम :** बी.ए.
3. **(Name of the Programme)**
4. **पाठ्यक्रम कोड :**बीएएच
   (Code of the Programme)
5. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
एम.ए इतिहास का पाठ्यक्रम यू.जी.सी के नियमानुसार भारत भर के विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जा रहे इतिहास के पाठ्यक्रमों से समतुल्यता रखता है। यह पाठ्यक्रम पढ़ने के बाद विद्यार्थी मुख्यत: भारत तथा अंशत: विश्व के इतिहास को समझा सकने की अंत दृष्टि से संपन्न होंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ विद्यार्थियों को जिसे इतिहास की घटनाओं से परिचित कराना भर नहीं है बल्कि इसे पढ़ते हुए वे वास्तविक रूप से इतिहास बोध, इतिहास दृष्टि और इतिहास चेतना से संपन्न हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सच्चे अर्थों में इतिहास में नये क्षेत्रों के अनुसंधान के लिये प्रवृत्त कर सकेगा और हिंदी में समाजविज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान उत्पादन की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण पहल होगी।	इतिहास दृष्टि और इतिहास लेखन पर विशेष आग्रह इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता है। प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास लेखन की प्रविधियों पर केंत्रित इसकी पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को इतिहास के उपादानों के प्रयोगों के प्रति दक्ष कर सकेगी। विद्यार्थी इतिहास से अभिलेखों, विवरणों, दस्तावेजों आदि को सही संदर्भों में पढ़ सकने के कौशल का विकास कर सकेंगे।	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा में अध्ययन एवं अध्यापन के लिए अपने अवसरों को सृजित कर सकते हैं। भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवाओं में इतिहास विषय के साथ सफलता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही वे ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के योग्य जानकार के रूप में अपनी निजी सेवाएँ भी प्रदान कर सकते हैं।

6. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 04 अथवा 04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट

विकल्प 1	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	**समूह-ख**	**समूह-ग**	**अनिवार्य पाठ्यचर्या**	**अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या***
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक	1. कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख** एवं **समूह-ग** से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-ग में उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख** से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारत का इतिहास (भाग – 1)
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीएएच-01
(Code of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-1

प्राचीन भारत के इतिहासिक स्रोतों – साहित्यिक एवं पुरातात्विक के विषय में बताया गया है।सिंधु घाटी सभ्यता के अंतर्गत नगर निर्माण योजना, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन तथा सभ्यता के पतन के विषय में बताया गया है। वैदिक साहित्य एवं ऋग्वैदिककालीन राजनीतिक, सामाजिक,आर्थिक और धार्मिक जीवन पद्धति की चर्चा की गई है। उत्तरवैदिक काल के अंतर्गत राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक जीवन एवं महाकाव्य काल के अंतर्गत रामायण और महाभारत के विषय में बताया गया है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सामाजिक,आर्थिक परिस्थिति एवं महाजनपद, मगध साम्राज्य, जैन धर्म, बौद्ध धर्म तथा मौर्य साम्राज्य के शासकों और शासन व्यवस्था पर चर्चा की गई है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-1

1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोतों को जान एवं समझ सकेंगे।
2. प्राचीन भारत में साहित्यिक रचनाओं के लेखन एवं सामाजिक मान्यताओं के विषय में जान सकेंगे।
3. प्राचीन भारत की आर्थिक, राजनैतिक परिस्थिति को जान एवं समझ सकेगा।
4. प्राचीन भारत के साम्राज्य निर्माण एवं उसके हस्तांतरण को जाना जासकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**प्राचीन भारत का इतिहास (भाग – 1)** 1. प्राचीन भारत के इतिहास के स्रोत – साहित्यिक एवं पुरातात्विक 2. सिंधु घाटी सभ्यता - नगर निर्माण योजना 3.सिंधु घाटी सभ्यता - सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन 4.सिंधु घाटी सभ्यता - पतन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	**इकाई – 2** 1.वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, उपनिषद) 2.ऋगवैदिक काल (1500-1000 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन 3.उत्तर वैदिक काल (1000-600 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन 4.महाकाव्य काल – रामायण और महाभारत	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	**इकाई – 3** छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति महाजनपद एवं मगध साम्राज्य महावीर एवं जैन धर्म बुद्ध एवं बौद्ध धर्म	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	**इकाई – 4**	**13**	**02**		**15**	**25**

	1. मौर्य साम्राज्य 2.चंद्रगुप्तमौर्य तथा उसका प्रशासन 3. अशोक और उसका धम्म 4. मौर्य साम्राज्य का पतन					

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. प्राचीन भारत – रामशरण शर्मा (NCERT)
2. अद्भुत भारत– ए. एल बेशम, शिवलाल एण्ड कम्पनी, आगरा
3. भारत का इतिहास – रोमिला थापर (राजकमल प्रकाशन)
4. प्राचीन भारत का आर्थिक और सामाजिक इतिहास – रामशरण शर्मा (हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय)
5. अशोक और मौर्य साम्राज्य का पतन – रोमिला थापर (ग्रंथ शिल्पी)
6. मौर्य साम्राज्य का पुनरावलोकन – रोमिला थापर (ग्रंथ शिल्पी)
7. चंद्रगुप्तमौर्य और उसका काल – राधाकुमुद मुखर्जी (राजकमल प्रकाशन)
8. दुबे जे. एन. : इतिहास विज्ञान, वाराणसी, 1988

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयअधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच 02
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-2

भारत में वाह्य आक्रमण जिसमें शक,हूण, कुषाण तथा दक्षिण के राजवंश चोल,चेर एवं पाण्ड्य के विषय में बताया गया है। गुप्तकालीन इतिहास के अंतर्गत राजनीतिक,आर्थिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन तथा गुप्तकालीन शासकों में समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त द्वितीय के विषय में दर्शाया गया है। गुप्तोत्तर कालीन राजनीति, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था तथा हर्षवर्धन और राजपूतों की उत्पत्ति, उत्थान के विषय में चर्चा की गई है। संगम युग, पल्लव वंश एवं चालुक्य वंश के बारे में विवरण दिया गया है। दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय सांस्कृतिक विस्तार को बताया गया है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-2

1. प्राचीन भारत में वाह्य आक्रमण एवं आक्रमणकारियों के विषय में जाना एवं समझा जा सकता है।
2. गुप्तकालीन सामाजिक, आर्थिक, साहित्यिक एवं राजनैतिक परिदृश्य के विषय में जाना एवं समझा जा सकता है।
3. ईशवी सन् के प्रारंभिक दौर में सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों एवं उसके प्रभावों के विषय में जाना जा सकता है।
4. प्राचीन भारत में दक्षिण के राजवंशों एवं उनकी राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक एवं सामाजिक प्रणाली को समझा जा सकता है।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	• **प्राचीन भारत का इतिहास (भाग – 2)** **इकाई - 1** 1. भारत पर बाह्य आक्रमण – शक, हूण 2.भारत पर बाह्य आक्रमण – कुषाण 3.सुदूर दक्षिण का इतिहास - चोल 4.सुदूर दक्षिण का इतिहास - पांड्य, चेर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	**इकाई - 2** 1.गुप्तकाल – राजनीतिक और आर्थिक जीवन 2.गुप्तकाल – सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन 3.समुद्रगुप्त 4.चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	**इकाई - 3** 1.गुप्तोत्तर काल – राजनीतिक एवं आर्थिक जीवन 2.गुप्तोत्तर काल – सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन 3.हर्षवर्धन 4.राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	**इकाई - 4** 1. संगम युग 2. पल्लव वंश	**13**	**02**		**15**	**25**

	3. चालुक्य वंश 4. दक्षिण पूर्व एिशया में भारतीय सांस्कृतिक विस्तार					

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. प्राचीन भारत – राधाकुमुद मुखर्जी (राजकमल प्रकाशन)
2. अशोक – राधाकुमुद मुखर्जी (मोतीलाल बनारसी दास)
3. प्राचीन भारत सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास की पड़ताल – द्विजेंद्र नारायण झा (ग्रंथ शिल्पी)
4. प्राचीन भारत – द्विजेंद्र नारायण झा (ग्रंथ शिल्पी)
5. प्राचीन भारत – डॉ. रमेशचंद्र मजूमदार (मोतीलाल बनारसी दास)
6. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास – रोमिला थापर
7. प्राचीन भारत का इतिहास – डॉ. रमा शंकर त्रिपाठी – मोतीलाल बनारसी दास
8. प्राचीन भारत का इतिहास – (सं.) द्विजेन्द्र नारायण झा, कृष्ण मोहन श्रीमाली (हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय)
9. प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास – विमल चन्द्र पाण्डेय (सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद)
10. प्राचीन भारत – एल. पी. शर्मा – लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
11. प्राचीन भारत – दीनानाथ वर्मा – ज्ञानदा प्रकाशन
12. भारत का वृहत इतिहास – रायचौधरी, मजूमदार एवं दत्त - मैकमिलन, दिल्ली
13. प्राचीन भारत का इतिहास – विद्याधर महाजन

Book List

1. History of India (Hindu Period) – L. Mukherjee
2. Early History of India – V. A. Smith
3. History of Ancient India – K. A. Nilkanth Shastry

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)
(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग – 1)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच 03
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-3

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोतों, पाल वंश, गुर्जर-प्रतिहार वंश एवं राष्टकूट वंश के विषय में चर्चा की गई है। चोल साम्राज्य, काकातीय साम्राज्य, विजयनगर साम्राज्य एवं बहमानी साम्राज्य के स्थानीय प्रशासन और सांस्कृतिक उपलब्धियों को बताया गया है। राजपूत राज्यों के अंतर्गत प्रतिहार, गहड़वाल, कलचुरी, चंदेल,परमार,चौहान एवं राजपूत राज्य व्यवस्था, सामाजिक और आर्थिक जीवन की चर्चा की गई है। गुलाम वंश में अल्तमश, बलबन के विषय में बताया गया है। अलाउद्दीन खलजी की बाजार नियंत्रण नीति तथा मुहम्मद बिन तुगलक और फिरोज तुगलक की प्रशासनिक नीति पर चर्चा की गई है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-3

1. मध्यकालीन इतिहास के स्रोत : साहित्यिक एवं पुरातात्विक के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. दक्षिण भारत के राजवंशों के स्थानीय प्रशासन एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम भारतीय राजवंशों की सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक एवं आर्थिक व्यवस्था को जाना जा सकेगा।
4. भारतीय इतिहास में सल्तनत कालीन प्रशासनिक व्यवस्था एवं सामाजिक प्रणाली को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/		

			(यदि अपेक्षित हैं)	**प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		**(Percentage share to the Course)**
मॉड्यूल-1	• **मध्यकालीन भारत का इतिहास** **इकाई – 1** 1. मध्यकालीन भारत के इतिहास के स्रोत – साहित्यिक एवं पुरातात्विक 2. पाल वंश 3. गुर्जर-प्रतिहार वंश 4. राष्ट्रकूट वंश	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	**इकाई – 2** 1. चोल साम्राज्य (स्थानीय प्रशासन एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ) 2. काकातीय साम्राज्य 3. विजयनगर साम्राज्य 4. बहमनी साम्राज्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	**इकाई – 3** 1. प्रमुख राजपूत राज्य – प्रतिहार, गहड़वाल, कलचुरी 2. चंदेल, परमार, चौहान 3. राजपूत राज्य व्यवस्था 4. राजपूतों का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	**इकाई – 4** 1. गुलाम वंश– अल्तमश एवं बलबन 2. अलाउद्दीन खलजी एवं उसका बाजार नियंत्रण नीति 3. मुहम्मद – बिन – तुगलक एवं उसके प्रयोग 4. फ़िरोज तुगलक –	**13**	**02**		**15**	**25**

	प्रशासन					

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. भारतीय इतिहास में मध्यकाल – इरफान हबीब (ग्रंथ शिल्पी)
2. मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास – इरफान हबीब (राजकमल प्रकाशन)
3. मध्यकालीन भारत – नए आयाम – हरबंश मुखिया (राजकमल प्रकाशन)
4. दिल्ली सल्लनत का राजनीतिक सिद्धांत – मोहम्मद हबीब (ग्रंथ शिल्पी)
5. अकबर से औरंगजेब तक – डब्ल्यू. एच. मोरलैंड (ग्रंथ शिल्पी)
6. खलजीकालीन भारत – सैयद अतरह अब्बास रिजवी (राजकमल प्रकाशन)
7. तुगलककालीन भारत – सैयद अतरह अब्बास रिजवी (राजकमल प्रकाशन)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच 04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-4

सल्तनत कालीन सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था को दर्शाया गया है। मध्यकालीन शासकों में बाबर,हुमायूँ, शेरशाह एवं महाराणा प्रताप के विषय में बताया गया है। अकबर की मनसबदारी व्यवस्था, जहाँगीर एवं नूरजहाँ, शाहजहाँ और उत्तराधिकार का युद्ध तथा औरंगजेब के बाद मुगल साम्राज्य के पतन के संदर्भ में विवरण प्रस्तुत किया गया है। मुगलकालीन सामाजिक,आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति को वर्णित किया गया है। मुगल कालीन संस्कृतिक स्थिति एवं स्थापत्य क्ला के बारे में चर्चा की गई है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-4

1. भारत में सल्तनत कालीन सामाजिक, आर्थिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. मुगल कालीन शासकों एवं उनकी शासन व्यवस्था को जाना जा सकेगा।
3. मुगल कालीन शासन व्यवस्था एवं उसके संचालन में कार्यरत विभिन्न व्यक्ति और समूहों के विषय में जाना जा सकेगा।
4. मध्यकालीन स्थापत्य कला और निर्माणों को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	1. सल्तनतकालीन सामाजिक स्थिति 2. सल्तनतकालीन आर्थिक स्थिति 3. सल्तनतकालीन धार्मिक स्थिति 4. सल्तनतकालीन सांस्कृतिक स्थिति	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	1. बाबर 2. हुमायूँ 3. शेरशाह 4. महाराणा प्रताप	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. अकबर – मनसबदारी व्यवस्था 2. जहाँगीर - नूरजहाँ 3. शाहजहाँ – उत्तराधिकार का युद्ध 4. औरंगजेब – मुगल साम्राज्य का पतन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. मुगलकालीन सामाजिक स्थिति 2. मुगलकालीन आर्थिक स्थिति 3. मुगलकालीन धार्मिक स्थिति 4. मुगलकालीन सांस्कृतिक स्थिति – स्थापत्य	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)
Book list

1. Baber – S. Lanepool
2. Shershah – Dr. K. R. Quanungo
3. Humayun and his times – Dr. Ishwari Prasad
4. Akbar the Great Mughal – V. A. Smith
5. History of Jehangir – Dr. Beni Prasad
6. History of Shahjahan of Delhi – Banarsi Prasad Saxena
7. History of Aurangzeb – Sir Jadunath Sarkar
8. The Foundation of Muslim Rule in India – A. B. M. Habibullah
9. History of India (Medieval Period) – L. Mukherjee
10. History of Medieval India – Iswari Prasad

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	

2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक भारत का इतिहास (भाग – 1)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-5

उत्तर मुगल कालीन शासकों एवं देशी राज्यों के उदय- बंगाल,हैदराबाद, मैसूर, अवध तथा आंग्ल-फ्रेंच संघर्ष को बताया गया है। प्लासी एवं बक्सर के युद्ध तथा कंपनी के अंतर्गत द्वैध शासन प्रणाली एवं रेगुलेटिंग एक्ट पिट्स इंडिया एक्ट आदि की चर्चा की गई है। वारेन हेस्टिंग्स एवं लार्ड कार्नवालिस के प्रशासनिक सुधारों तथा स्थायी बंदोबस्त रैयतवाड़ी और महलवाड़ी व्यवस्था के बारे में बताया गया है। लार्ड वैलेजली की सहायक संधि, विलियम बैंटिक की शिक्षा नीति एवं लार्ड हार्डिंग और पंजाब के विषय में कहा गया है।लार्ड डलहौजी एवं उसकी हड़प नीति के संदर्भ में विवरण प्रस्तुत किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-5

1. भारत में उत्तरकालीन मुगल राज्य एवं शासकों के विषय में जाना एवं समझा जासकेगा।
2. भारत में अंग्रेजों के आगमन एवं उनसे संबन्धित विभिन्न संघर्षों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. भारत में कंपनी शासन के अधीन विभिन्न अधिनियमों और प्रशासको को जाना जा सकेगा।
4. आधुनिक भारत में शिक्षा एवं आंग्ल नीतियों को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	1. उत्तरकालीन मुगल शासक 2. देशी राज्यों का उदय – बंगाल, हैदराबाद 3. देशी राज्यों का उदय – मैसूर, अवध 4. आंग्ल— फ्रेंच संघर्ष	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	1. पलासी की लड़ाई 2. बक्सर का युद्ध 3. ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण - द्वैध शासन प्रणाली 4. ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण - रेगुलेटिंग एक्ट पिट्स इंडिया एक्ट	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. वारेन हैस्टिंग्स – प्रशासनिक सुधार 2. लार्ड कार्नवालिस – प्रशासनिक सुधार 3. स्थायी बंदोबस्त 4.रैयतवारी एवं महालवारी बंदोबस्त	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. लार्ड वेल्सली - सहायक संधि 2. विलियम बैंटिक – शिक्षा नीति 3. लार्ड हार्डिंग – पंजाब 4. लार्ड डलहौजी - हड़प नीति	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत – बिपन चंद्र (NCERT)
2. आज का भारत – रजनीपाम दत्त (ग्रंथ शिल्पी)
3. औपनिवेशिक भारत में सांस्कृतिक और विचारधारात्मक संघर्ष – के. एन. पणिक्कर (ग्रंथ शिल्पी)
4. आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास – रविंदर कुमार (ग्रंथ शिल्पी)
5. आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास (1850-1947) – सव्यासाची भट्टाचार्य (राजकमल प्रकाशन)
6. भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद – बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली)
7. भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद का उद्भव और विकास – बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली)
8. आधुनिक भारत में विचारधारा और राजनीति – बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली)
9. आधुनिक भारत (संपादन) - बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक भारत का इतिहास (भाग – 2)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-06
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-6

1857 के पूर्व नागरिक एवं आदिवासी विद्रोहों की चर्चा की गई है। 1857 की क्रांति के कारण, परिणाम एवं स्वरूप को दर्शाया गया है। ब्रह्म समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन एवं वहाबी आंदोलन के विषय में बताया गया है। 1858 के एक्ट, 1861 एक्ट तथा लिटन के प्रशासनिक सुधार एवं रिपन के इलबर्ट बिल के संदर्भ में दिया गया है।भारत में राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, लॉर्ड कर्जन के प्रशासनिक सुधार एवं बंगाल विभाजन के बारे में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर -6

1. आधुनिक भारत में नागरिक विद्रोह और 1857 की क्रांति के कारण, प्रभाव एवं परिनाम को जाना जा सकेगा।
2. भारत में धर्म सुधार आंदोलनों की शुरुआत, स्वरूप एवं प्रभाव के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. कंपनी के शासन का अंत एवं भारत सरकार अधिनियम1858 को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद, राजनैतिक पार्टियों का गठन एवं विभिन्न राजनैतिक कड़ी एवं कारणों को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. 1857 के पूर्व नागरिक	13	02		15	25

	विद्रोह एवं आदिवासी विद्रोह 2. 1857 की क्रांति – कारण 3. 1857 की क्रांति – परिणाम 4. 1857 की क्रांति – स्वरूप					
मॉड्यूल-2	1. ब्रह्म समाज 2. आर्य समाज 3. रामकृष्ण मिशन 4. वहाबी आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. 1858 का एक्ट 2. 1861 का इंडियन काउंसिल एक्ट 3. लिटन - प्रशासनिक सुधार 4. रिपन – इलबर्ट बिल	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. भारत में राष्ट्रवाद का उदय 2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 3. लार्ड कर्जन का प्रशासनिक सुधार 4. बंगाल विभाजन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री

तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

Book list

1. Haider Ali – N. K. Sinha
2. Tipu Sultan – Monibbul Hasan
3. History of India (Modern Period) – L. Mukherjee
4. East India Company and Bengal – S. Bhattacharya
5. Parties and Politics at the Mughal Court (1707-1740) – Satish Chandra
6. The Permanent Settlement – S. Gopal
7. Cambridge Economic History of India – Dharma Kumar
8. Ryotwari System in Madras – N. Mukherjee
9. History of Bengal – J. N. Sarkar
10. Modern India – T. G. P. Spear
11. British Policy in India – S. Gopal
12. The Economic History of India – R. C. Dutt
13. The Emergence of Indian Nationalism – Anil Seal
14. Social Background of Indian Nationalism – A. R. Desai
15. Peasant Struggles in India – A. R. Desai (ed.)
16. Peasent Moments in India – Sunil Sen

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदीविश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग – 1)

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-07
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-7

आधुनिक विश्व में भौगोलिक खोजों, पुनर्जागरण, औद्योगिक क्रांति एवं यूरोपीय धर्म सुधार आंदोलन के संदर्भ में दर्शाया गया है। पुरानी शासन व्यवस्था, फ्रांस की राज्यक्रांति एवं उसमें दर्शनिकों की भूमिका तथा नेपोलियन बोनापार्ट के संदर्भ में चर्चा की गई है। मेटरनिक व्यवस्था एवं इटली के एकीकरण तथा जर्मनी का एकीकरण और विस्मार्क की विदेश नीति के विषय में बताया गया है। आधुनिक चीन में अफीम युद्ध तथा आधुनिक जापान के उदय को उल्लेखित किया गया है। चीन-जापान युद्ध 1894 एवं रूस-जापान युद्ध 1904-05 के विषय में दिया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-7

1. आधुनिक विश्व में पुनर्जागरण,औद्योगिक क्रांति एवं विभिन्न भौगोलिक खोजों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. यूरोपीय देशों में क्रांतिकारी बदलावों, दार्शनिक मतों एवं परिवर्तनकारी शासकों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. यूरोपीय राष्ट्रों की शासन व्यवस्था, राज्यों का विलय एवं राष्ट्रों की विदेश नीति के विषय में जाना जा सकेगा।
4. ऐशियाई राष्ट्रों में विभिन्न संघर्ष, संधियों एवं उनके प्रभाव को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. भौगोलिक खोज	**13**	**02**		**15**	**25**

	2. पुनर्जागरण 3.औद्योगिक क्रांति 4. यूरोप में धर्म सुधार आंदोलन					
मॉड्यूल-2	1. पुरानी शासन व्यवस्था 2. फ्रांस की राज्यक्रांति एवं उसका स्वरूप 3. फ्रांसीसी क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका 4. नेपोलियन बोनापार्ट	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. मेटरनिक व्यवस्था 2. इटली का एकीकरण 3. जर्मनी का एकीकरण 4. बिस्मार्क – विदेश नीति	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. आधुनिक चीन – अफीम युद्ध 2. आधुनिक जापान का उदय 3. चीन – जापान युद्ध 1894 4. रूस – जापान युद्ध – 1904-05	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	**25**	**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. फ्रांसीसी क्रांति– ज्यॉर्ज लेफेब्रे (ग्रंथ शिल्पी)
2. आधुनिक काल का इतिहास (1789 से अब तक) – सी. डी. एम. केटलबी
3. यूरोप का इतिहास – लाल बहादुर वर्मा (प्रकाशन संस्थान) (1453-1789)

Book List

1. The age of Revolution – E. T. Hobsbawm
2. Europe since Napoleon – David Thomson
3. Napoleon Bonaparte, His Rise and fall – J. M. Thomson
4. A Hand Book of Modern Europe - L. Mukherjee
5. A study of European History (1453-1815) – L. Mukherjee
6. Europe since the French Revolution (1740-1950) – L. Mukherjee
7. A Study of Modern Europe & the World (1815-190) – L. Mukherjee
8. Bonapartism – H. A. L. Fisher
9. The French Revolution (2Vols.) – C. L. Hazen
10. A History of Europe (2 Vols.) – H. A. L. Fisher
11. Bismarck – Robertson, A. J. P. Taylor

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**

		(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग – 2)

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-08
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-8

प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम,वर्साय की संधि और राष्ट्रसंघ की स्थापना व कार्य को बताया गया है। चीनी क्रांति 1911, रूसी क्रांति 1917 एवं जर्मनी में नजीवाद तथा इटली में फासीवाद को व्याख्यायित किया गया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के अंगों और कार्यों की चर्चा की गई हैशीत युद्ध एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन के विषय में विवरण दिया गया है।नेल्सन मंडेला के सत्याग्रह एवं नाटो और वारसा पैक्ट के संदर्भ में उल्लेख किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-8

1. प्रथम महायुद्ध के कारण, परिणाम एवं प्रभाव तथा उस दौरान विभिन्न राजनैतिक कदमों को जाना जा सकेगा।
2. चीन एवं रूस की क्रांति तथा अन्यराजनैतिक विचारों से अवगत हुआ जा सकेगा।
3. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण, परिणाम एवं प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा ।
4. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना एवं कार्यप्रणाली को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. प्रथम विश्वयुद्ध के कारण	13	02		15	25

	2. प्रथम विश्वयुद्ध के कारण परिणाम 3. वर्साय की संधि 4. राष्ट्रसंघ की स्थापना व कार्य					
मॉड्यूल-2	1. चीन की क्रांति 1911 2. रूसी की क्रांति 1917 3. जर्मनी में नाजीवाद 4. इटली में फासीवाद	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण 2. द्वितीय विश्वयुद्ध के परिणाम 3. संयुक्तराष्ट्र संघ एवं उसके अंग 4. संयुक्तराष्ट्र संघ के कार्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. शीत युद्ध 2. गुटनिरपेक्ष आंदोलन 3. दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला का सत्याग्रह 4. नाटो एवं वारसा पैक्ट	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. सम सामयिक विश्व इतिहास – अर्जुन देव, गिरिश मिश्र, बी गांगुली (NCERT)

Book List

1. The origins of the World war – S. B. Fay
2. International Relations Between the two world wars – E. H. Carr
3. World Crisis (1st world war) – Churchill
4. Memories of the peace conference – LIyod Geroge

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयअधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: स्वतंत्रता संग्राम

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-09
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: पंचम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-9

भारत में राष्ट्रीय कांग्रेस के अंतर्गत नरमदल एवं गरमदल तथा भारत में क्रांतिकारी आंदोलन के विकास और सांप्रदायिकता के उदय के विषय में बताया गया है। मोरले मिंटो सुधार, होमरूल मूवमेंट, लखनऊ समझौता एवं मांटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार के बारे में उल्लेख किया गया है। भारत में गांधी काल के अंतर्गत गांधी के आगमन एवं चंपारण, खेड़ा,अहमदाबाद, असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन का विवरण दिया गया है। सुभाष चंद्र बोस एवं आई. एन. ए. की चर्चा की गई है। क्रिप्स मिशन, केबिनेट मिशन एवं माउण्टबेटन योजना और भारत विभाजन को उल्लेखित किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-9

1. भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में लेखन, विभिन्न कार्यक्रम एवं उसके प्रभाव को जाना जा सकेगा।
2. भारतीय राजनैतिक दलों की स्थापना एवं आवश्यकता को समझा जा सकेगा।
3. भारत में गांधी के काल और उनके प्रयासों के प्रभाव एवं परिणाम को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. भारतीय स्वतन्त्रता प्राप्ति के क्रम में विभिन्न व्यक्तियों एवं उनके कार्यों को समझा एवं जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में नरमदल 2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरमदल 3. क्रांतिकारी आंदोलन का विकास 4. सांप्रदायिकता का उदय एवं विकास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	1. मॉर्ले – मिन्टो सुधार – 1909 2. होम रूल मूवमेंट 3. लखनऊ समझौता 4. मांटेग्यू- चेम्सफोर्ड सुधार – 1919	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. भारत में गांधी का आगमन – चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद आंदोलन 2. असहयोग आंदोलन, 3. सविनय अवज्ञा आंदोलन 4. भारत छोड़ो आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. सुभाष चन्द्र बोस एवं आई. एन. ए. 2. क्रिप्स मिशन प्लान 3. केबिनेट मिशन प्लान 4. माउंटबेटन प्लान और भारत विभाजन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद

विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. आधुनिक भारत (1885-1947) – सुमित सरकार (राजकमल प्रकाशन)
2. स्वतंत्रता संग्राम (NBT) – अमलेश त्रिपाठी, वरूण डे, बिपन चंद्र
3. भारत का मुक्ति संग्राम– अयोध्या सिंह (ग्रंथ शिल्पी)
4. भारतीय राजनीति में गरमपंथ की चुनौती– अमलेश त्रिपाठी (ग्रंथ शिल्पी)
5. बंगला नवजागरण– सुशोमन सरकार (ग्रंथ शिल्पी)
6. बंगाल में स्वदेशी आंदोलन – सुमित सरकार (ग्रंथ शिल्पी)
7. भारत का राष्ट्रीय आंदोलन– बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स)
8. समकालीन भारत – बिपन चंद्र (अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली)
9. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष– बिपन चंद्र (हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय)
10. आजादी के दस्तावेज भारत में ब्रिटिश उपनिवेशवाद (दो खंड) – जहूरबख्श, ख्वाजा हसन निजामी (स्वर्ण ज्यंती दिल्ली)
11. अठारह सौ सत्तावन – सुरेंद्रनाथ सेन (प्रकाशन विभाग)

Book List

1. Mahatma Gandhi – B. R. Nanda
2. The Mahatma – Tendulkar
3. History of Freedom Movement of India – Tarachand
4. History of Freedom Movement (Vol. I & II) – R. C. Mazumdar
5. History of the Indian National congress (Vol. I to III) – P. Sitaramayya

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयअधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय संविधान

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-10
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: पंचम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-10

भारतीय संविधान सभा एवं संविधान का निर्माण तथा संविधान की विशेषताएँराष्ट्रपति और राज्यपाल के विषय में चर्चा की गई है। भारतीय संसद, विधान मंडल, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के विषय में बताया गया है। संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीति निदेशक तत्व एवं संघराज्य संबंधोंको उल्लेखित किया गया है। संविधान संशोधन की प्रक्रिया एवं संविधान में42 वें और 44 वें संशोधन को दर्शाया गया है। पंचायती राज्य व्यवस्था और सूचना का अधिकार अधिनियम को बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-10

1. भारतीय संविधान निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. भारतीय शासन व्यवस्था के आधार स्तंभों एवं व्यवस्था संचालन के मुख्य उपकरणों को जाना जा सकेगा।
3. भारतीय संविधान में उल्लेखित सरकार एवं जनता के अधिकार, कर्तव्यों एवं उसके महत्व को जाना जा सकेगा।
4. भारतीय संविधान में समय-समय पर हुए संशोधन, उनकी आवश्यकता एवं वर्तमान स्वरूप को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. संविधान सभा एवं	**13**	**02**		**15**	**25**

	संविधान का निर्माण 2. भारतीय संविधान की विशेषताएँ 3. राष्ट्रपति 4. राज्यपाल					
मॉड्यूल-2	1. संसद 2. विधान मंडल 3. कार्यपालिका 4. न्यायपालिका	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1.प्रस्तावना 2. मौलिक अधिकार 3. नीति निदेशक तत्व 4. संघ- राज्य संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. संशोधन की प्रक्रिया 2. संविधान संशोधन– 42वाँ एवं 44वाँ 3. पंचायती राज्य 4. सूचना का अधिकार	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)	**मौखिकी** (**20**%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना| हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: इंग्लैंड का राजनीतिक और वैधानिक इतिहास

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-11
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: पंचम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-11

इंग्लैंड में ट्यूडर निरंकुशता, प्रिवी कौंसिल, ट्यूडर पार्लियामेंट एवं स्थानीय शासन को बताया गया है। हेनरी सप्तम एवं हेनरी अष्टम के काल, इंग्लैंड में धर्म सुधार आंदोलन, एडवर्ड षष्ट व मेरी और एलिजाबेथ के विषय में चर्चा की गई है। जेम्स प्रथम और संसद, चार्ल्स प्रथम और गृह युद्ध , क्रामबेल एवं कॉमनवेल्थ तथा पुनर्स्थापना के बारे में उल्लेखित किया गया है। जार्ज प्रथम एवं जार्ज द्वितीय के संदर्भ में विवरण दिया गया है। रॉबर्ट तृतीय की व्यवस्था के बारे में उल्लेखित किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-11

1. इंग्लैंड के राजनैतिक एवं वैधानिक इतिहास को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. इंग्लैंड में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन की शुरुआत एवं प्रभाव को समझा जा सकेगा।
3. इंग्लैंड की संसदीय कार्य-प्रणाली और जेम्स प्रथम के विषय में जाना और समझा जा सकेगा।
4. ब्रिटेन के शासकों एवं उनकी कार्य-प्रणालियों और कार्यों के प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	1. ट्यूडर निरंकुशता	**13**	**02**		**15**	**25**

	2. प्रिवी कौंसिल 3. ट्यूडर पार्लियामेंट 4. स्थानीय शासन					
मॉड्यूल-2	1. हेनरी सप्तम व हेनरी अष्टम 2. इंग्लैंड में धर्म सुधार आंदोलन 3. एडवर्ड षष्ठ 4. मेरी और एलिजाबेथ	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. जेम्स प्रथम और संसद 2. चार्ल्स प्रथम और गृह युद्ध 3. क्रामबेल एवं कॉमनवेल्थ 4. पुनर्स्थापना	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. जार्ज प्रथम 2. जार्ज द्वितीय 3. रॉबर्ट वालपोल 4. जार्ज तृतीय की व्यवस्था	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

पुस्तक सूची

1. ब्रिटेन का इतिहास – पार्थसारथि गुप्त
2. इंग्लैंड का राजनैतिक और वैधानिक इतिहास – राधाकृष्ण चौधरी (भारती भवन)

Book List

1. Tudor England (Pelican History of England, Vol. V) – S. K. Bindoff
2. The Constitutional History of England – G. B. Adams
3. The English Reformation – A.G. Dickens
4. A Study of English History – L. Mukherjee
5. British History – Ramsey Muir
6. History of England – G. M. Trevelyan
7. Constitutional History of Modern Britain (1485-1937) - D. L. Kier

England under the stuarts – G. M. Trevelyan

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-12
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: पंचम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-12

वर्तमान भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बाल गंगाधर तिलक, अरविंद घोष एवं सावरकर के बारे में बताया गया है।

वर्तमान भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद- तात्पर्य एवं विमर्श तथा दादा भाई नौरोजी, आर. सी. दत्त और सखाराम गणेश देउस्कर के बारे में चर्चा की गई है। वर्तमान भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद के अंतर्गत सरदार पटेल, बाबा साहब अंबेडकर एवं रामास्वामी नायर कावर्णन किया गया है। वर्तमान भारत में मानवता वादी राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं विमर्श को समझाया गया है। राष्ट्रवादी विचारकों में टैगोर, विनोवा एवं दीनदयाल उपाध्याय के बारे में दिया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-12

1. आधुनिक भारत में विचार एवं विचारधाराओं के अंतर्गत विभिन्न विचारकों के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. भारत में ब्रिटिश कालीन आर्थिक नीतियों, परिस्थितियों एवं प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. आधुनिक भारत में राष्ट्रवाद की संकल्पना और संबन्धित विचारकों को जाना एवं समझा जासकेगा।
4. भारतीय राष्ट्रवाद के महान विचारकों के मतों एवं विचारों के मतत्व को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		

				(Interaction/ Training/ Laboratory)		share to the Course)
मॉड्यूल-1	1. वर्तमान भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद – तात्पर्य एवं विमर्श 2. बाल गंगाधर तिलक 3. अरबिंद घोष 4. विनायक दामोदर सावरकर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	1. वर्तमान भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद – तात्पर्य एवं विमर्श 2. दादाभाई नौरोजी 3. रमेश चन्द्र दत्त 4. सखाराम गणेश देउस्कर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. वर्तमान भारत में आधुनिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं विमर्श 2. सरदार वल्लभभाई पटेल 3. बाबासाहेब भीमराव रामजी अंबेडकर 4. एरोड वेंकट रामास्वामी नायकर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. वर्तमान भारत में मानवतावादी राष्ट्रवाद – तात्पर्य एवं विमर्श 2. रवीन्द्रनाथ टैगोर 3. विनोबा भावे 4. दीन दयाल उपाध्याय	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय डायस्पोरा का इतिहास

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-13
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: षष्ठ**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-13

भारतीय प्रवासन के चरण एवं स्वरूप के अंतर्गत प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक काल तथा 1990 के पश्चात् भारतीय डायस्पोरा के संबंध में बताया गया है। समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय के अंतर्गत श्रीलंका, गुयाना, सूरीनाम और यूनाइटेड किंगडम के डायस्पोरा समुदायों की चर्चा की गई है। भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष के आलोक में महात्मा गांधी द्वारा संघर्षतथा दक्षिण अफ्रीका, मरीशस और फ्रिजी की घटनाक्रमों का वर्णन किया गया है। भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति में स्वतन्त्रता पूर्व एवं स्वतन्त्रता के आरंभिक दशक को दर्शाया गया है। वैश्वीकृत भारत एवं प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा को व्याख्यायित किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-13

1. भारतीय प्रवासन के अंतर्गत प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल में डायस्पोरा के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदायों के विषय में क्रमबद्ध जानकारी प्राप्त होगी।
3. महात्मा गांधी द्वारा भारतीय डायस्पोरा समुदाय के अधिकार की रक्षा के प्रयासों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. भारतीय डायस्पोरा समुदाय के प्रति भारत सरकार की नीतियों को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	• **भारतीय प्रवासन के चरण एवं स्वरूप** 1. प्राचीन काल में भारतीय डायस्पोरा 2. मध्यकाल में भारतीय डायस्पोरा 3. आधुनिक काल में भारतीय डायस्पोरा 4. 1990 के बाद भारतीय डायस्पोरा	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय** 1. हिंद महासागर : श्रीलंका 2. गुयाना 3. सूरीनाम 4. युनाइटेड किंगडम	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष** 1. महात्मा गांधी का समुद्रपारीय भारतीयों के मानवाधिकार के लिए संघर्ष में योगदान 2. दक्षिण अफ्रीका 3. मॉरीशस 4. फिजी	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति: इतिहास व वर्तमान** 1. स्वतंत्रतापूर्व	**13**	**02**		**15**	**25**

	2. स्वतंत्रता के आरंभिक दशक 3. वैश्वीकृत भारत 4. प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा					

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीयहिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दू शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: महाराष्ट्र का इतिहास

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-14
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: षष्ठ**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-14

महाराष्ट्र के इतिहास के अंतर्गत- मराठा शक्ति के उत्कर्ष, शिवाजी,मुगल-मराठा संबंध एवं मराठा शक्ति के विस्तार को उल्लेखित किया गया है। पेशवा का उदय, पेशवा शक्ति का विस्तार, पानीपत का तीसरा युद्ध एवं आंग्ल-मराठा संबंधों को बताया गया है। महाराष्ट्र के संतों में नामदेव, तुकाराम,एकनाथ एवं समर्थ रामदास का वर्णन किया गया है। गोपाल गणेश आगरकर एवं महादेव गोविंद रानाडे का उल्लेख किया गया है।पंडित रमाबाई और सावित्री बाई फुले के संदर्भ में बताया गया है ।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-14

1. महाराष्ट्र के क्षेत्रीय इतिहास को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. मराठा शक्ति के उदय, प्रसार एवं विभाजन को समझा जा सकेगा।
3. महाराष्ट्र के सामाजिक सुधारकों एवं महापुरुषों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. महाराष्ट्र में उत्तर मध्यकाल तथा आधुनिक काल की शासनव्यवस्था और सामाजिक परिवर्तनों को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	1. मराठा शक्ति का उत्कर्ष 2. शिवाजी 3. मुगलों के साथ मराठों का संबंध 4. मराठा शक्ति का विस्तार	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	1. पेशवा का उदय – बालाजी विश्वनाथ 2. पेशवा शक्ति का विस्तार 3. पानीपत की तीसरी लड़ाई 4. आंग्ल - मराठा संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	1. नामदेव 2. तुकाराम 3. एकनाथ 4. समर्थ रामदास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	1. गोपाल गणेश आगरकर 2. महादेव गोविन्द रानाडे 3. पंडिता रमाबाई 4. सावित्रीबाई फुले	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

Book List

1. Shivaji, Life and times – J. N. Sarkar
2. Rise of Maratha Power – K. R. Kanungo
3. Rise of Peshwas – N. H. Sinha
4. Main Currents of Maratha History – G. S. Sardesai
5. The Rise and fall of the Maratha Power – R. V. Nadkarni

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारतीय संस्कृति

(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:बीएएच-15
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: षष्ठ**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-15

प्राचीन भारत के अंतर्गत सभ्यता एवं संस्कृति जिसमें प्रागैतिहासिक,ताम्रपाषाणिक तथा हड़प्पाकालीन उल्लेख प्रस्तुत किया गया है। प्राचीन कालीन धर्म एवं संस्कृति के अंतर्गत वैदिक, सूत्रयुगीन, स्मृतियुगीन एवं उपनिषद युगीन धर्म एवं संस्कृति का वर्णन किया गया है। कला एवं स्थापत्य के अंतर्गत मौर्ययुगीन, गांधार शैली, मथुरा शैली और गुप्तकालीन कला एवं स्थापत्य को दर्शाया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बारे में उल्लेख किया गया है। प्राचीन भारत में सांस्कृतिक प्रसार एवं प्राचीन भरता में दर्शन को बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-15

1. प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को जाना एवंसमझा जा सकेगा।
2. इसके अंतर्गत वैदिक,सूत्रयुगीन, उपनिषद कालीन सभ्यता एवं संस्कृति को जाना जा सकेगा।
3. मौर्यकालीन सभ्यता, संस्कृति एवं समाज को समझा एवं जाना जा सकेगा।
4. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धिती, धार्मिक प्रसार, दर्शन एवं राजनैतिक प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• **सभ्यता एवं संस्कृति :**	**13**	**02**		**15**	**25**

	परिभाषा एवं प्रारंभ 1. सभ्यता एवं संस्कृति 2. प्रागैतिहासिक संस्कृति 3. ताम्रपाषाणिक संस्कृति 4. हड़प्पाकालीन सभ्यता एवं संस्कृति					
मॉड्यूल-2	• **धर्म एवं संस्कृति** 1. वैदिक कालीन धर्म एवं संस्कृति 2. सूत्रयुगीन धर्म एवं संस्कृति 3. स्मृतियुगीन धर्म एवं संस्कृति 4. उपनिषद युगीन धर्म एवं संस्कृति	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **कला एवं स्थापत्य** 1. मौर्ययुगीन कला एवं स्थापत्य **2.** गांधार कला शैली 3. मथुरा कला शैली 4. गुप्तकालीन कला एवं स्थापत्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **संस्कृति का विकास** 1. प्राचीन भारत में शिक्षा 2. प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 3. प्राचीन भारत में भारतीय संस्कृति का प्रसार – स्वर्णद्वीप (इण्डोनेशिया) सुवर्णभूमि (वर्मा), कम्बुज कम्बोडिया, मलय देश 4. प्राचीन भारत में दर्शन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रव्रृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	

4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	